राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन

2025-26

Register Now

फाल्गुन 02-03-04 शक 1946 (20-21-22 मार्च 2026)

प्राचीन काल से आधुनिक काल तक स्वदेशी विज्ञान का योगदान

निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।
बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटत न हिय के सूल।।
- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

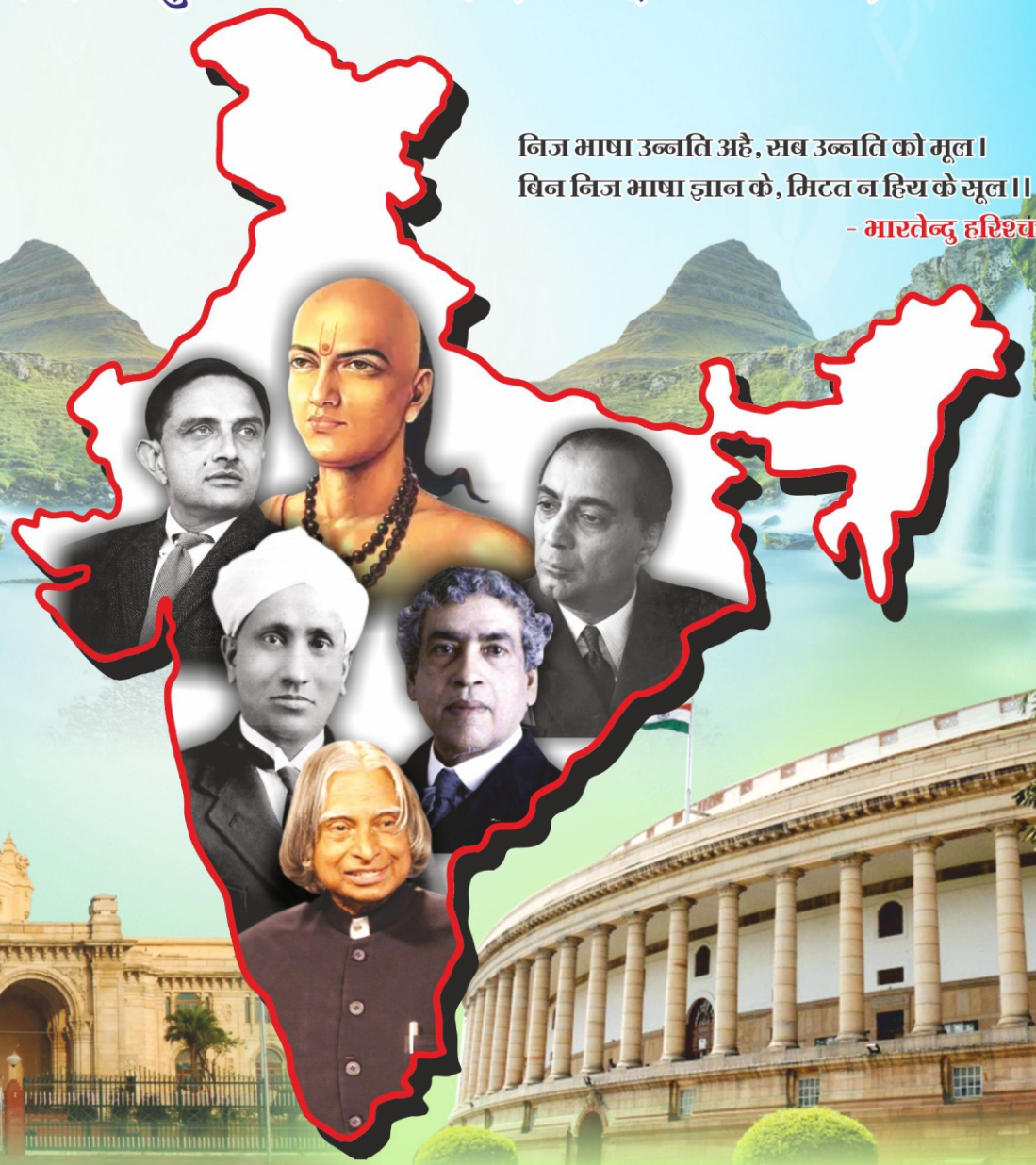

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी

विज्ञान भारती

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

अल्ट्रासॉनिक्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

उ.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ

आयोजन स्थल- बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी (उ.प्र.)

मुख्य संरक्षक

श्री योगी आदित्यनाथ, मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र. सरकार, लखनऊ

संरक्षक

श्री अनुराग शर्मा, लोकसभा सदस्य, झांसी-ललितपुर लोकसभा क्षेत्र
डॉ. शेखर सी मांडे (पूर्व महानिदेशक, सी.एस.आई.आर एवं सचिव डी.एस.आई.आर, राष्ट्रीय अध्यक्ष, विज्ञान भारती, नई दिल्ली)
प्रो.. अभय करंदीकर, सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार
डॉ. शिवकुमार शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री विज्ञान भारती, नई दिल्ली
श्री प्रवीण रामदास, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री विज्ञान भारती, नई दिल्ली

मार्गदर्शन मण्डल

प्रो. एव सी वर्मा, सोपान आश्रम, आईआईटी, कानपुर
डॉ. महेश ठक्कर, निदेशक, बीरबल साहनी पुराविज्ञान संस्थान, लखनऊ
डॉ. अजीत शासनी, निदेशक, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
डॉ. हरीश ईरानी, निदेशक, राजीव गांधी पेट्रोलियम प्रौद्योगिकी संस्थान, अमेठी
डॉ. कैलाश राव, निदेशक, योजना एवं वास्तुकला विद्यालय, भोपाल
डॉ. तृप्ता ठाकुर, कुलपति, वीर माधव सिंह भंडारी तकनीकि विश्वविद्यालय, देहरादून
प्रो. मुकुल सुतावने, निदेशक, आईआईआईटी प्रयागराज
प्रो. प्रेम नारायण सिंह, निदेशक, आयूसीटीई
प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति, छ.शा.जी.म.विश्वविद्यालय, कानपुर
अध्यक्ष, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली।
प्रो. अजय सिंह, कुलपति, सैफई मेडिकल यूनिवर्सिटी
प्रो. सुरेंद्र दुबे, उपाध्यक्ष, केंद्रीय हिंदी शिक्षण संस्थान आगरा
डॉ तीर्थेश कुमार शर्मा, प्राचार्य बिपिन बिहारी महाविद्यालय, झाँसी
डॉ ए अरुणाचलम, निदेशक, केंद्रीय कृषि वानिकी संस्थान झाँसी
प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह, कुलपति, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया बिहार
प्रो संजीव कुमार, कुलपति, महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय आजमगढ़
प्रो. अजय प्रताप सिंह, महानिदेशक, नेशनल लाइब्रेरी एवं महानिदेशक,
राजा राममोहन राय लाइब्रेरी फाउंडेशन संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
प्रो. रचना अस्थाना, निदेशक,AITD,UP, कानपुर
प्रो. नरेन्द्र बहादुर सिंह, कुलपति, राजा महेन्द्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, अलीगढ़
प्रो एस पी बंसल कुलपति, हिमांचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
प्रो. शोभा गौड़, कुलपति, मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय, मिर्जापुर
प्रो. पूनम टण्डन, कुलपति, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर
प्रो. रविशंकर सिंह, कुलपति, मां पाटेश्वरी विश्वविद्यालय, बलरामपुर
प्रो सविन माहेश्वरी, कुलपति, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, मुरादाबाद
प्रो. कविता शाह, कुलपति, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, सिद्धार्थनगर

राष्ट्रीय आयोजन समिति

प्रो. मुकेश पाण्डेय, कुलपति, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी
प्रो. ए.के. सिंह, कुलपति, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

श्री पंधारी यादव, प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उ.प्र.
प्रो. अनिल कोठारी, महानिदेशक, म.प्र. विज्ञान एवं प्रो. परिषद, भोपाल
प्रो. मणीन्द्र अग्रवाल, निदेशक, आई आई टी, कानपुर,
अध्यक्ष, विज्ञान भारती ब्रह्मावर्त (कानपुर) प्रान्त।
प्रो. अजीत चतुर्वेदी, कुलपति काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
प्रो. भृगु नाथ सिंह, कुलपति, राजीव गांधी राष्ट्रीय विमानन विश्वविद्यालय, रायबरेली
प्रो. जय प्रकाश सैनी, कुलपति, मदन मोहन मालवीय तकनीकी विश्वविद्यालय, गोरखपुर
डॉ. अरविंद रानाडे, निदेशक, राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान, गांधीनगर
प्रो राजाराम यादव, अध्यक्ष, अल्ट्रासोनिक्स सोसायटी ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
प्रो पी के वाजपेयी, कुलपति, जयप्रकाश विश्वविद्यालय छपरा
प्रो विलास तभाने, आरटीएम विश्वविद्यालय नागपुर
डॉ पी के दुबे, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रोफेसर - ए.सी.एस.आई.आर., पराश्रव्य मापिकी,
भौतिक - यांत्रिक मापिकी विभाग, सीएसआईआर - राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली
डॉ युधिष्ठिर कुमार यादव, राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली
डॉ कैलाश विश्वकर्मा, राष्ट्रीय संरक्षक, वैदिक गणित, शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास, नई दिल्ली
डॉ स्वस्ति सक्सेना, गांधीनगर विश्वविद्यालय, गांधीनगर
डॉ कीर्ति सोनी, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-एएमपीआरआई, भोपाल
डॉ आर पी टंडन, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली

स्थानीय आयोजन समिति

अध्यक्ष
डॉ. जय प्रकाश शुक्ल
नेशनल कॉर्डिनेटर (राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन)
पूर्व मुख्य वैज्ञानिक, सी.एस.आई.आर-एम्प्री, भोपाल

उपाध्यक्ष
प्रो. सुनील मिश्र
महासचिव, विज्ञान भारती कानपुर प्रांत

संयोजक
प्रो. डी. के. भट्ट
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

सह-संयोजक
डॉ. विजय कुमार यादव
अध्यक्ष, विज्ञान भारती, झाँसी विभाग
सह आचार्य, बी.बी.सी., झाँसी

डॉ. अखिलेश सिंह
सह आचार्य, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय
कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

डॉ. अनु सिंगला
संयोजिका, शक्ति, झाँसी विभाग
सह आचार्य, फॉरेंसिक विभाग
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झाँसी

आयोजन सचिव
डॉ. संजीव कुमार श्रीवास्तव
संयोजक विज्ञान भारती, बुन्देलखण्ड क्षेत्र
सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, भौतिकी,
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

आयोजन सह-सचिव
डॉ. अनुपम व्यास
सचिव, विज्ञान भारती, झाँसी विभाग
सह आचार्य, इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग,
बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

सम्मेलन की रूपरेखा

- शोध पत्र प्रस्तुतीकरण
- व्याख्यान एवं परिचर्चा
- विज्ञानिका - काव्य आधारित विज्ञान लोक व्यापीकरण
- प्रदर्शनी

शोध पत्र प्रस्तुतिकरण के मुख्य विषय

- प्रगत पदार्थ विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी
- अपशिष्ट प्रबंधन
- अभियांत्रिकी एवं तकनीकी
- मूलभूत विज्ञान: गणित, भौतिकी एवं रसायन शास्त्र
- भू-विज्ञान एवं खनन प्रबंधन
- सूचना प्रोद्योगिकी
- हिंदी भाषा के माध्यम से विज्ञान संचार
- पशुपालन एवं पशु चिकित्सा
- आयुर्वेद एवं योग विज्ञान
- कृषि एवं ग्राम विकास
- भाषा विज्ञान
- नैनो प्रोद्योगिकी
- उर्जा प्रबंधन
- जीव विज्ञान एवं जैव प्रोद्योगिकी
- वानिकी, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन
- जल प्रबंधन
- खगोलिकी
- भवन, वास्तुविधा एवं आपदा प्रबंधन
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी धरोहर एवं उसकी वर्तमान उपादेयता
- संगीत का विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान
- वेदों में विज्ञान
- खाद्य प्रौद्योगिकी (फूड टेक्नोलॉजी)
- पोषण विज्ञान (न्यूट्रिशन साइंस)
- गृह विज्ञान (होम साइंस)

शोध पत्र आमंत्रण

लेखकों के शोध पत्र निम्नलिखित तिथियों के अनुसार आमंत्रित है सारांश स्वीकृत उपरांत प्रतिभागी अपने शोध पत्र सम्मेलन में प्रस्तुत कर सकेंगे। स्वीकृत शोध पत्र के सारांश स्मारिका में प्रकाशित किए जाएंगे तथा उत्कृष्ट शोध पत्र सी. एस. आई. आर - निस्पर, नई दिल्ली के जर्नल एवम् संपादित पुस्तक में प्रकाशित किये जायेंगे।
शोध पत्र ईमेल : rhvsjhansi2026@gmail.com पर प्रेषित करें।

शोध पत्र प्रारूप

कृपया शोध पत्र संबंधित जानकारी हिंदी भाषा में प्रस्तुत करे | संबद्धता (affiliation) लिखते हुए लेखकों के संस्थान का नाम, संस्थान की जगह (शहर, राज्य) आवश्यक रूप से लिखें | एक शोध पत्र हेतु एक पंजीकरण आवश्यक है | शोध पत्र सारांश अधिकतम 250 शब्दों में पूर्ण करें |

शोध पत्र का शीर्षक
प्रथम लेखक : प्रथम लेखक का नाम, ईमेल एवं मोबाइल नंबर
सह-लेखक: सह-लेखकों का नाम, ईमेल एवं मोबाइल नंबर
शोध पत्र का सारांश (अधिकतम 250 शब्द)
मुख्य शब्द
विस्तृत शोध पत्र (अधिकतम पृष्ठ संख्या छः एवं दो कॉलम में)
शब्द प्रकार - यूनीकोड
शब्द आकार (शीर्षक) - 18
शब्द आकार (सहायक शीर्षक) - 16
शब्द आकार (शोध सामग्री) - 14

महत्वपूर्ण तिथियाँ

शोधपत्र सारांश	:	20 फरवरी 2026
विस्तृत शोधपत्र	:	28 फरवरी 2026
पंजीकरण की अंतिम तिथि	:	15 मार्च 2026
सम्मेलन कार्यक्रम	:	20-22 मार्च 2026

पंजीयन शुल्क विवरण

सामान्य प्रतिभागी रू.2000/-
विज्ञान भारती के आजीवन सदस्य व वरिष्ठ नागरिक रू.1000/-
शोधार्थी विद्यार्थी रू. 500/-
नोट : सभी शुल्क में 18% GST दर अलग से लागू रहेगी।
पंजीयन शुल्क में सम्मेलन सामग्री एवं भोजन सम्मिलित है।

प्रायोजक

मानव सेवा में विज्ञान के योगदान को सुगम बनाने के उत्कृष्ट कार्य में सहयोग के लिए हम संस्थाओं / उद्योगों को आर्थिक योगदान हेतु आमंत्रित करते हैं।

- प्लैटिनम प्रायोजक रू. 10 लाख
- स्वर्ण प्रायोजक रू. 5 लाख
- रजत प्रायोजक रू. 2.5 लाख
- कांस्य प्रायोजक रू. 1.0 लाख

नोट : सभी शुल्क में 18% GST दर अलग से लागू रहेगी।
प्रायोजक संस्था से तीन प्रतिभागियों का नि:शुल्क पंजीयन किया जायेगा एवं संस्था की जानकारी केंद्रित बैनर लगाया जायेगा।

स्मारिका में विज्ञापन की दरें

इस सम्मेलन के उपलक्ष्य में एक स्मारिका का प्रकाशन किया जाएगा जो प्रतिभागियों को सम्मेलन के दौरान नि:शुल्क दी जायेगी तथा प्रायोजक संस्था को भेजा जाएगा। इच्छुक संस्थाये प्रकाशन हेतु अपने उत्पाद, सेवाओं या संस्थाओं के बारे में जानकारी भेज सकती है, जिसका शुल्क निम्नानुसार होगा-

- रंगीन आधा पृष्ठ रू. 50,000/-
- रंगीन पूर्ण पृष्ठ रू. 1,00,000/-
- रंगीन आंतरिक प्रथम पृष्ठ रू. 3,00,000/-
- रंगीन आंतरिक अंतिम पृष्ठ रू. 3,00,000/-
- रंगीन अंतिम बाह्य पृष्ठ रू. 5,00,000/-

नोट : सभी शुल्क में 5% GST दर अलग से लागू रहेगी।
विज्ञापनकर्ता संस्थाओं के दो व्यक्तियों का नि:शुल्क पंजीकरण किया जाएगा।

प्रदर्शनी दर

- स्टाल साईज 30x30 रू. 6,00,000/-
- स्टाल साईज 20x30 रू. 4,00,000/-
- स्टाल साईज 20x20 रू. 3,00,000/-
- स्टाल साईज 10x20 रू. 1,50,000/-
- स्टाल साईज 10x10 रू. 75,000/-

नोट : सभी शुल्क में 18 % GST दर अलग से लागू रहेगी।
प्रदर्शक संस्थाओं के दो व्यक्तियों का नि:शुल्क पंजीकरण किया जाएगा।

राशि अन्तरण हेतु खाता विवरण

भुगतान चैक, डिमांड ड्राफ्ट और बैंक हस्तांतरण द्वारा स्वीकार किए जायेंगे। विवरण निम्नानुसार है।

Account Name: VIGYAN BHARATI BRAHMAVART
Account No.: 5590628648
IFSC Code: CBIN0284462
Bank Name: CENTRAL BANK OF INDIA
Branch Name: VIKAS NAGAR, KANPUR-208024
Account Type: CURRENT
MICR Code: 208016048

SCAN TO PAY

आवास

आयोजकों द्वारा पंजीकृत प्रतिभागियों को नि:शुल्क आवास व्यवस्था प्रदान की जाएगी।

यात्रा भत्ता

पंजीकृत शोधार्थियों को रेलवे स्लीपर एवं अन्य पंजीकृत प्रतिभागियों को तृतीय श्रेणी वातानुकूलित का यात्रा भत्ता प्रदान किया जाएगा।

अवधारणा

हिंदी भाषा में वैज्ञानिक कार्यों के क्रियान्वयन, वैज्ञानिक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने और विज्ञान को जनसामान्य तक पहुँचाने के उद्देश्य से "हिंदी विज्ञान संवाद, जन-जन तक विज्ञान" को लक्षित कर राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मेलन का आयोजन विज्ञान भारती का एक महत्वपूर्ण एवं सतत प्रयास है। विज्ञान भारती के प्रमुख उद्देश्यों में भारतीय भाषाओं में विज्ञान को लोकप्रिय बनाना भी बहुत महत्वपूर्ण है जिसके परिपालन में यह सम्मेलन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विज्ञान संचारकों को एक साझा मंच प्रदान करता है, जहाँ वे हिंदी में अपने अनुसंधान कार्यों को प्रस्तुत कर सकें और विचार-विमर्श कर सकें।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हिंदी को एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में स्थापित करने की दिशा में यह सम्मेलन एक सशक्त कदम है। इसमें विज्ञान, इंजीनियरिंग, आयुर्वेद, पर्यावरण और विज्ञान संचार जैसे विविध विषयों पर चर्चा की जाती है। साथ ही, विज्ञान कवि गोष्ठी जैसे रचनात्मक कार्यक्रमों के माध्यम से विज्ञान को साहित्य और संस्कृति से जोड़ने का प्रयास भी किया जाता है।

हिंदी या अन्य भारतीय भाषाओं में विज्ञान एवं तकनीकी कार्य संभव नहीं है जैसे मिथक को तोड़ते हुए यह कार्यक्रम प्रतिवर्ष नए कीर्तिमान स्थापित करता जा रहा है। प्रतिभागियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों एवं जनसामान्य में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का अधीरता के साथ इंतजार रहता है।

यह सम्मेलन न केवल हिंदी में वैज्ञानिक लेखन को बढ़ावा देता है, बल्कि भाषा के माध्यम से वैज्ञानिक चेतना के विस्तार और नवाचार को भी प्रेरित करता है।हिंदी में ज्ञान-विज्ञान, अनुसन्धान-नवाचार से समृद्धि की ओर ध्येय वाक्य के साथ यह आयोजन भारत को ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर करने का संकल्प भी दर्शाता है।

राष्ट्रीय हिंदी विज्ञान सम्मलेन 2025-26 विज्ञान भारती, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी, रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी तथा उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी परिषद, लखनऊ के संयुक्त तत्वाधान में बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झाँसी में दिनांक 20 से 22 मार्च 2026 तक आयोजित किया जा रहा है।
जैसा कि हम सब अनुभव करते हैं कि मातृभाषा में किसी भी विषय का अध्ययन, शोध एवं प्रेषण सुगम होता है, विज्ञान प्रेमी एवं वैज्ञानिक कार्यों में सलग्न एवं विज्ञान के प्रयोग से देश को समृद्धि पथ पर ले जाने हेतु कृतसंकल्पित लोगों के लिए यह सम्मेलन एक उपयोगी मंच प्रदान करेगा व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विभिन्न विषयों को इस सम्मेलन में शामिल किया गया है।

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी

बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, बुन्देलखण्ड क्षेत्र के सातों जिलों में पिछले 50 वर्षों से उच्च शिक्षा हेतु उत्तर प्रदेश शासन का NAAC से A^{++} ग्रेड से एक्रेडेटिड, PM-USHA के MERU में चयनित ISO प्रमाणित उत्कृष्ट विश्वविद्यालय है। इस विश्वविद्यालय से बुन्देलखण्ड क्षेत्र के 07 जिलों के लगभग 367 महाविद्यालय सम्बद्ध है, जिनमें 3 लाख से अधिक छात्र- छात्रायें तथा विश्वविद्यालय परिसर में 9 संकायों के 27 विभागों में 100 से अधिक पाठ्यक्रम संचालित हो रहे हैं जिनमें लगभग 10 हजार से अधिक छात्र-छात्रायें अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान को NIRF में 68वीं रैंक प्राप्त है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली द्वारा बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय को कैटेगरी - वन (Category - I) का दर्जा प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि प्राप्त करने वाला बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों में से एक तथा देश का २४वाँ विश्वविद्यालय है।

विज्ञान भारती

विज्ञान भारती का मूल चिन्तन आधुनिक विज्ञान तथा भारतीय वांग्मय एवं पुरातात्विक साक्ष्य द्वारा प्रदत विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान का समन्वय कर, भारत के प्रत्येक क्षेत्र तथा वर्ग के उत्थान हेतु उसका उपयोग कर अपने भारत वर्ष को परम वैभवशाली बनाने का मार्ग प्रशस्त करना है। विश्व को समग्र विज्ञान प्रदान करने के लिए विज्ञान भारती कृत संकल्पित है। विज्ञान भारती की देश भर के 22 राज्यों में इकाइयाँ गठित हैं। यह स्वायत संस्थानों, स्वतंत्र संगठनों और परियोजना संस्थाओं के माध्यम से 11 विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहा है।

रानी लक्ष्मीबाई केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय भारत के राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। जिसकी स्थापना संसद द्वारा वर्ष 2014 में की गई थी। आरएलबीसीएयू के अब अपने परिसर हैं झांसी उत्तर प्रदेश और दतिया मध्य प्रदेश जिनमें कृषि महाविद्यालय और उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झांसी में पूर्णता संचालित है। पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय और मत्स्य पालन महाविद्यालय के साथ दतिया में स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त मुरैना के लिए एक नए उद्यानिकी कॉलेज की योजना बनाई गई है। विश्वविद्यालय को सीधे कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित किया जाता है

उ.प्र. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ

उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार का एक संस्थान है जो राज्य में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अनुसंधान, छात्रवृत्ति और विभिन्न परियोजनाओं को बढ़ावा देने का कार्य करता है। यह छात्रों के लिए समर रिसर्च फेलोशिप जैसे कार्यक्रम प्रदान करता है, जिससे उन्हें प्रतिष्ठित संस्थानों में शोध करने का अवसर मिलता है। यह विज्ञान, इंजीनियरिंग आदि विषयो पर शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान प्रदान करता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अक्टूबर 1972 में राज्य की पाँचवीं पंचवर्षीय योजना के संदर्भ में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद गठन किया था। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश (सीएसटी, उत्तर प्रदेश) को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, १८६० के अंतर्गत एक पंजीकृत निकाय के रूप में स्वायत्त दर्जा प्रदान किया गया।

झाँसी के बारे में

झाँसी भारत के उत्तर प्रदेश राज्य के बुन्देलखण्ड क्षेत्र में स्थित एक नगर है। यह जनपद का मुख्यालय भी है। यह नगर सम्पूर्ण भारत में झाँसी की रानी की 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में ऐतिहासिक भूमिका के कारण प्रसिद्ध है। झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 1828 को वाराणसी में मणिकर्णिका तांबे के रूप में हुआ था। बचपन में ही उनकी माँ का देहांत हो गया था, जिसके बाद उन्होंने घुड़सवारी और तलवारबाजी सहित युद्ध की कलाएं सीखीं। 1842 में उनका विवाह झांसी के महाराजा गंगाधर राव से हुआ और वह रानी लक्ष्मीबाई कहलाईं। 1853 में अपने पति की मृत्यु के बाद, उन्होंने अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव को उत्तराधिकारी घोषित किया, जिसे अंग्रेजों ने स्वीकार नहीं किया। इसके बाद उन्होंने झांसी को बचाने के लिए अंग्रेजों के खिलाफ बहादुरी से युद्ध किया और 18 जून 1857 को ग्वालियर में वीरगति प्राप्त की।

झाँसी का प्रारंभिक इतिहास उस क्षेत्र से जुड़ा हुआ है जो अलग-अलग समय में चेदि देश, चेदि-राष्ट्र या चेदि जनपद, जेजाकभुक्ति, जेजाहुति या जाझहोटल और बुंदेलखंड के रूप में जाना जाता था। झाँसी नगर उत्तर में जालौन जिला, दक्षिण में ललितपुर और मध्य प्रदेश से घिरा है। इसके पूर्व में हमीरपुर जिला और मध्य प्रदेश है और पश्चिमी सीमा भी मध्य प्रदेश राज्य द्वारा बनाई गई है। झाँसी राष्ट्रीय राजमार्ग और रेल नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। यह नगर पहुंज और बेतवा नदियों के बीच स्थित है।
झांसी और इसके आस पास पर्यटन के लिए कई स्थान हैं जैसे कि झांसी संग्रहालय, रानी महल, झांसी का किला, बरुआ सागरताल, गढ़मऊ झील, ओरछा श्री रामराजा मंदिर दतिया पीताम्बरा पीठ, करगुवाजी जैन मंदिर, प्रसिद्ध खजुराहो मंदिर आदि।

पत्राचार हेतु पता :

डॉ. संजीव कुमार श्रीवास्तव

आयोजन सचिव, राष्ट्रीय हिन्दी विज्ञान सम्मेलन, 2026

विभागाध्यक्ष भौतिकी , बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय, झाँसी-284128 (उ०प्र०)

मोबाइल नं. 9415055565 | 9838010111 | 9415073625 | ई-मेल: rhvsjhansi2026@gmail.com